

इकाई 3 : परिधान में बांधने वाले तरीके (फास्टनर्स)

परिचय

सजावटी और कार्यात्मक सामान या विवरण का उपयोग करते हुए एक परिधान को सजाने हेतु ट्रिमिंग्स के रूप में जाना जाता है। कुछ सहायक भाग परिधान के वे क्षेत्र हैं जो इसकी मूल संरचना का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन कार्यात्मक और सजावटी कारणों से उद्देश्यपूर्ण रूप से जोड़े जाते हैं।

फास्टनर ऐसे क्लोजर हैं जो परिधान के खोलने (openings) को सुरक्षित करते हैं। फास्टनर कपड़ा बढ़ाने हेतु और तथा फिट बॉडी बनाने के लिए देर करता है। बाजार में आसानी से उपलब्ध फास्टनरों की एक विस्तृत विविधता है। इनमें बटन, जिपर और स्नैप, हुक और आइ तथा कुछ अन्य शामिल हैं। एक निश्चित सीमा तक, परंपरा एक परिधान में विशेष फास्टनर के उपयोग को नियंत्रित करती है। उदाहरण के लिए, पुरुषों के लिए औपचारिक शर्ट में हमेशा बटन होंगे और पजामा एक जिप तथा एक शीर्ष बटन द्वारा बंद किया जाएगा। रुझानों में फैशन में बदलाव होता है और इसलिए परिधानों में ट्रिम्स, एसेसरीज, फास्टनरों का उपयोग, तकनीक तथा उपयोग होता है। यह एक डिजाइन तत्व के रूप में या किसी परिधान में किसी उद्देश्य हेतु इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस इकाई में, कुछ मूल फास्टनरों की सिलाई तकनीक को पाठकों को आसानी से परिधान पर फास्टनरों को लगाने के लिए समझाया जाता है।

सत्र 1 : फास्टनर्स के प्रकार और उनके उपयोग

फास्टनर FASTENERS

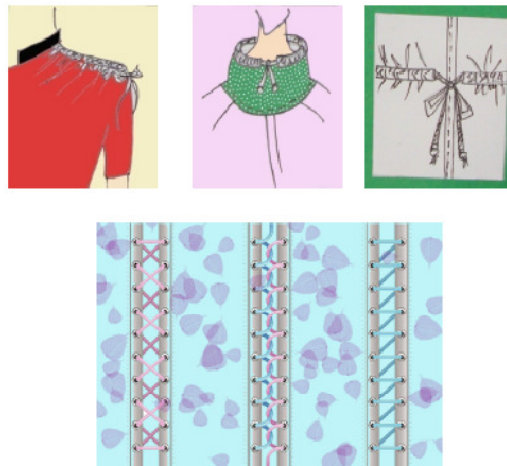
सभी कपड़ों को किसी न किसी बिंदु पर खुलने की आवश्यकता होती है ताकि उन्हें आसानी से रखा और निकाला जा सके। इन खोलने को विभिन्न तरीकों से बंद किया जा सकता है। चुने गए क्लोजर का प्रकार स्थिति पर निर्भर करेगा, इसे प्राप्त होने वाले तनाव की मात्रा और क्या यह छुपा रहना है या परिधान पर एक सजावटी विशेषता बनाना है। महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि सभी प्रकार के फास्टनरों को कपड़े के किसी भी पकरिंग, खींचने या अंतराल के बिना खोलने के दो किनारों पर पूरी तरह से मेल खाना चाहिए और परिधान को एक साफ उपस्थिति appearance देना चाहिए।

सामान्य तौर पर, मजबूती के लिए डबल सामग्री पर फास्टनरों को तय किया जाना चाहिए। उन्हें इस तरह से तय किया जाना चाहिए कि परिधान का दाहिना भाग महिलाओं के लिए बाईं ओर और पुरुषों के दाईं ओर बाईं लैप में जाता है। फास्टनरों को कपड़े के रंग, डिजाइन और बनावट, परिधान की शैली और उपयोग तथा प्लेकेट की स्थिति के अनुरूप चुना जाना चाहिए। पहनने वाले की उम्र और जेंडर पर भी विचार करना चाहिए। उदाहरण के लिए, बटन और बटनहोल आम तौर पर पुरुषों

की शर्ट, पतलून आदि के लिए उपयोग किए जाते हैं, जैसे कि प्रेस बटन और हुक और आइ आम तौर पर महिलाओं के ब्लाउज और बच्चों के कपड़े के लिए उपयोग किए जाते हैं।

1. कॉर्ड

कॉर्ड शब्द का उपयोग विभिन्न प्रकार के टेक्सटाइल स्ट्रैंड्स के लिए किया जाता है, जिसमें कैंबर्ड यार्न, पिल्ड यार्न और ब्रेडिंग, बुनाई या वीविंग द्वारा बनाई गई संरचनाएं शामिल हैं। कॉर्ड हाथ या मशीन द्वारा बनाया जा सकता है। बाजार में मोटी और पतली दोनों तरह की रस्सी उपलब्ध है। यह कपड़ों के उपयोग, डिजाइन और भाग के अनुसार चुना जा सकता है। यह आइलेट्स के साथ या बिना आइलेट्स के भी फास्टर के रूप में प्रयोग किया जाता है।



चित्र 3.1 (ए, बी, सी, डी) : फास्टर के रूप में कॉर्ड

2. रिबन

रिबन सबसे संकीर स्ट्रिप्स से लेकर विस्तृत स्वैथ तक उपलब्ध हैं। रिबन विभिन्न प्रकार के यार्न से बनाए जाते हैं, जैसे नायलॉन, पॉलिएस्टर, और कॉटन। वे मुद्रित या सादे हो सकते हैं और धातु के धागे या तार वाले किनारों (edges) को दिखा सकते हैं। यह फिलामेंट यार्न रिबन, सादे या चेक पैटर्न वाले तफेता रिबन (taffeta ribbons) हैं। सजावटी फास्टर बनाने के लिए उन्हें आइलेट्स के साथ उपयोग किया जाता है।



चित्र 3.2 (ए, बी) : फास्टर के रूप में रिबन

3. बटन

कपड़े के वजन और रंग दोनों के अनुरूप बटन को सावधानी से चुना जाना चाहिए। बंद होने के रूप में बटन का उपयोग करने के फायदे कई हैं। वे कार्यात्मक और सजावटी दोनों हैं। उन्हें एक मजबूत मिलान वाले धागे द्वारा इस तरह से सुरक्षित रूप से सीवन किया जाना चाहिए कि यह बटन को कपड़े को पकड़े बिना बटन के नीचे बंद करने की सुविधा प्रदान करता है। कपड़े जिस पर बटन जुड़ा हुआ है, उसके खिंचाव को रोकने या खींचने के लिए प्रबलित किया जाना चाहिए।



चित्र 3.3 : बटन के प्रकार

बटन दो प्रकार के होते हैं : बटन जिसमें छेद या बटन शैंक के साथ होते हैं। छेद वाले बटन को अटैचमेंट के साथ बनाने के लिए शैंक की आवश्यकता होती है, जबकि शैंक के साथ बटन की कोई आवश्यकता नहीं होती है। एक बटन में शैंक होना चाहिए क्योंकि यह कपड़े से बटन उठाता है और इसे जगह में रहने देता है। दूसरा अंडरसाइड से परिधान से जुड़े होते हैं। बटन कपड़े, बोन, कांच, धातु, प्लास्टिक आदि से बने हो सकते हैं। उसी कपड़े से ढंके हुए कपड़े के बटन का उपयोग किया जा सकता है। यदि आप अच्छी तरह से स्थापित दर्जी को कपड़े के स्क्रेप प्रदान करते हैं तो वे आपको एक विशेष मशीन द्वारा कवर किए गए बटन देते हैं। कवरिंग हाथ से भी की जा सकती है।

असामान्य मामलों को छोड़कर कपड़ों के सामने या सेंटर के पीछे की तरफ से बटन को सेंटर में रखा जाता है। पर्याप्त बटन को समान रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए रखा जाना चाहिए कि खोलने वाले बटन के बीच अंतराल के बिना साफ है। खाली जगह की दूरी, खोलने, कपड़े की चौड़ाई और बटन के आकार की स्थिति के अनुसार भिन्न होती है। बहुत कम या कई बटन तैयार परिधान की उपस्थिति को खराब कर सकते हैं। शर्ट या ब्लाउज पर, बटन को बस्ट के पार और कमर के साथ एक परिधान पर अंतर से बचने के लिए रखा जाना चाहिए; एक बटन हमेशा कमर पर इस्तेमाल किया जाना चाहिए, क्योंकि यह परिधान का खिंचाव बिंदु है।

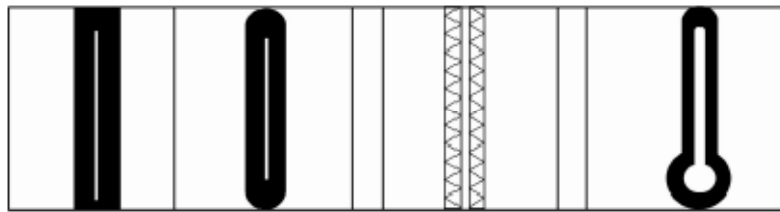
बटन लगभग कुछ भी शेल, बोन, लकड़ी, नारियल, नायलॉन, प्लास्टिक, ब्रास, सिल्वर से बनाया जा सकता है। वे ज्यामितीय से अमूर्त तक किसी भी आकार के हो सकते हैं।



चित्र 3.4 : विभिन्न प्रकार और बटन के आकार

क) बटनहोल

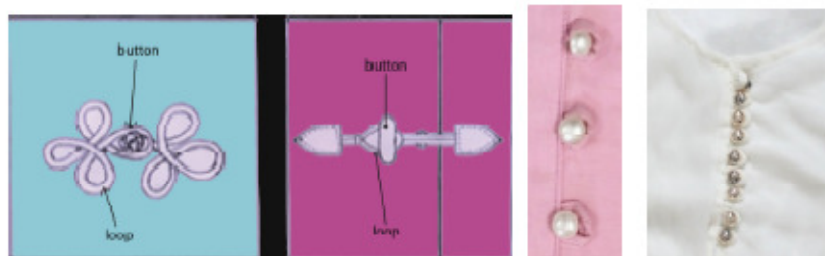
बटनहोल परिधान के ओवरलैप सेक्शन पर अंडर लैप के बटनों के अनुरूप बने होते हैं। उन्हें इतना रखा जाता है कि जब बटन बंद हो जाता है तो सेंटर के सामने या सेंटर के पीछे की रेखा पर और अन्य सभी खोलने पर सेंटर होता है। बटनहोल को या तो हाथ से काम किया जा सकता है, मशीन से काम किया जा सकता है या बटनहोल को बाउंड किया जा सकता है। किसी परिधान के लिए आपके द्वारा चुनी गई विधि उस परिधान के डिजाइन, कपड़े और सिलाई करने की आपकी क्षमता पर निर्भर करेगी। बटनहोल क्षैतिज या लंबवत रूप से एक प्लैकेट पर रखा जा सकता है। उनके निर्माण के आधार पर निम्नलिखित प्रकार के बटनहोल हैं।



चित्र 3.5 : मूल, गोल-छोर और कीहोल बटन

ख) बटन लूप

बटन लूप का उपयोग फास्टरिंग के साथ-साथ सजावटी उद्देश्य के लिए किया जाता है। इनका उपयोग शैंक के बटनों के साथ किया जाता है। लूप बटन के शैंक से जुड़ जाता है। यह कपड़े के दाईं ओर लगाया किया जाता है। उनके निर्माण के आधार पर बटन-लूप के प्रकार निम्नलिखित हैं।



चित्र 3.6 (ए, बी, सी) : विभिन्न प्रकार के बटन

5. हुक और क्लैप्स

हुक और क्लैप्स छोटे लेकिन तुलनात्मक रूप से मजबूत फास्टनरों हैं। हालांकि वे ज्यादातर एक परिधान के खोलने के एक बिंदु पर लगाए जाते हैं, जैसे कमरबंद या नेकलाइन, उनका उपयोग पूरे खोलने को फास्टन के लिए भी किया जा सकता है। कई प्रकार के हुक और आइज़ हैं, प्रत्येक को एक विशेष उद्देश्य के लिए डिज़ाइन किया गया है। सामान्य-उद्देश्य वाले हुक और आइज़ सभी प्रकारों में सबसे छोटी हैं तथा मुख्य रूप से पूरक फास्टनरों के रूप में उपयोग की जाती हैं, उदाहरण के लिए जिपर प्लैकेट के ऊपर पर एक हुक और एक आइज़।

विशेष प्रयोजन के हुक और आइज़ बड़ी और भारी होती हैं, जो सामान्य प्रयोजन के प्रकारों की तुलना में अधिक तनाव का सामना कर सकती हैं। हुक को हमेशा ओवरलैप के बैक पर सिल दिया जाता है और तैनात किया जाता है ताकि हुक का अंत परिधान के नीचे के किनारे से आगे न बढ़े। फास्टन होने पर हुक और क्लैप्स दिखाई नहीं (invisible) देना चाहिए। क्लैप्स एक धातु का बना या हाथ से बना हो सकता है।



चित्र 3.7 (ए, बी, सी) : हुक और क्लैप्स

6. जिपर

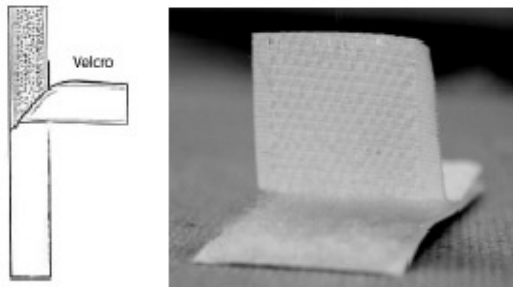
ज़िपर शायद सभी फास्टनिंग्स में से सबसे अधिक उपयोग किया जाता है। कई प्रकार की लंबाई, रंग और सामग्री में उपलब्ध हैं, लेकिन वे सभी पांच श्रेणियों में से एक में आते हैं : स्कर्ट या पैंट्स ज़िपर, मेटल या जीन्स ज़िपर, दिखाई नहीं देने वाला ज़िपर, ओपन-एंडेड ज़िपर्स और सजावटी ज़िपर।



चित्र 3.8 (ए, बी, सी) : जिपर्स

7. वेलक्रो

छोटे अलग अलग फास्टनरों के अलावा, टेप के रूप में फास्टनरों होते हैं जिन्हें सीवन या पर चिपकाया जा सकता है। सीवन-ऑन वेलक्रोइस दोनों कपड़ों और नरम सामानों के लिए आदर्श है, जबकि स्टिक-ऑन विविधता का उपयोग और फिक्स कर्टेन्स के पेलमेट्स और खिड़कियों पर बल्ले हेतु ब्लाइंड करने के लिए किया जा सकता है। एक वेलक्रो दो स्ट्रिप्स से बना होता है, एक में फिलामेंट फाइबर का जाली (mesh) होती है और दूसरे में एक वेब प्लास्टिक हुक का निर्माण होता है।



चित्र 3.9 (ए, बी) : वेलक्रो

1. जगह में वेलक्रो पिन करें। लूप की तरफ नीचे और ऊपर की तरफ हुक साइड होनी चाहिए।
2. सभी किनारों के आसपास सिलाई करनी चाहिए।।

8. आइलेट्स

एक आइलेट फास्टनिंग बहुत सजावटी हो सकता है और अक्सर दुल्हन के पहनने या तंग फिटिंग कपड़े पर पाया जाता है। मजबूती देने के लिए, किनारे और आइलेट्स के बीच के कपड़े में बॉनिंग का एक टुकड़ा डाला जाना चाहिए। आपको होल्स को पंच करने के लिए आइलेट प्लायर्स की आवश्यकता होगी और फिर आइलेट्स डालें।



चित्र 3.10 (ए, बी) : आइलेट्स

प्रायोगिक अभ्यास

गतिविधि 1 : बाजार पर जाएं विभिन्न प्रकार के फास्टनरों के बारे में जानकारी एकत्र करें, और एक रिपोर्ट तैयार करें।

आवश्यक सामग्रियां :

- नोटबुक
- पेन, पेंसिल, रूलर
- कैंची
- ग्ल्यू

चरण दर चरण प्रक्रिया :

- अपने स्थानीय बाजार पर जाएं और उपलब्ध फास्टनरों के प्रकारों का निरीक्षण करें।
- एक मैगजीन / समाचार पत्रों में फास्टनरों के प्रकार भी देख सकते हैं।
- फास्टनरों के प्रकारों की सूची बनाएं।
- जानकारी एकत्र करें।
- लेबल किए गए चित्रों या तस्वीरों के साथ एक रिपोर्ट (फास्टनरों के बारे में विस्तार से विवरण) तैयार करें।

गतिविधि 2 : विभिन्न फास्टनरों के लिए एक प्रोटो सैंपल फाइल तैयार करें।

आवश्यक सामग्रियां :

- ए4 साइज की कार्ड शीट
- शीट के लिए फाइल कवर
- ग्ल्यू
- पेंसिल, पेन, स्केच पेन
- मूल फास्टनरों के नमूने

चरण दर चरण प्रक्रिया :

- विभिन्न प्रकार के फास्टनरों को इकट्ठा करें।
- उन्हें वर्गीकृत करें।
- उन्हें साफ तरीके से फाइल में चिपका दें।
- उन पर लेबल लगाएं।

अपनी प्रगति जांचें

क. क्रॉसवर्ड—सर्च ने फास्टनरों को निम्नलिखित क्रॉसवर्ड में नाम दिए और उन्हें सर्कल किया : जिपर, बटन, हुक, क्लैप्स, रिबन, आइलेट, वेलक्रो।

E	Z	I	P	P	E	R	B
J	Y	L	M	N	V	I	U
N	S	E	C	E	S	B	T
R	P	J	L	Z	R	B	T
H	D	C	A	E	G	O	O
O	R	M	S	X	T	N	N
O	P	A	P	C	L	W	Y
K	F	N	S	N	Q	J	N

ख. प्रश्न :

1. फास्टनर क्या हैं?
2. फास्टनरों के प्रकारों की एक सूची बनाएं और उनके उपयोग दें।
3. बटन और इसके प्रकारों की व्याख्या करें।
4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

क. वेलक्रो

ख. जिपर

ग. आइलेट्स

घ. हुक और क्लैप्स

सत्र 2 : फास्टनर्स के सिलने की तकनीकें

बटन सिलाई तकनीक

जैसा कि पहले सत्र में बताया गया है, बटन विभिन्न प्रकार के होते हैं और प्रत्येक प्रकार की एक अलग सिलाई प्रक्रिया होती है जैसा कि नीचे बताया गया है :

एक बटन सिलाई करने के लिए इसे सही जगह पर रखें। फिर उचित आवश्यकता और धागे के साथ शुरू करें।

- बटन के विपरीत साइड के एक छेद के माध्यम से धागे को और कपड़े में बटन के दाईं ओर के विपरीत छेद के माध्यम से खींचें। कपड़े के प्रकार, बटनहोल, धागे के प्रकार आदि के अनुसार 4-6 बार दोहराएं।
- बटन के दाईं ओर धागे के नीचे एक सीधा पिन भी फिसल सकता है। कई बार टांके को दोहराते हुए सिलाई प्रक्रिया करना जारी रखें। यदि सीधे पिन का उपयोग नहीं किया जाता है तो इसे सीधे छेदों से करें।
- यदि सीधे पिन का उपयोग किया जाता है तो इसे बटन से हटा दें और बटन को परिधान से थोड़ा दूर खींचें। यह एक शैंक छोड़ देगा, जो परिधान और बटन के बीच धागे द्वारा बनाया गया है। प्रक्रिया को पूरा करने के लिए इस धागे को चारों ओर से कसकर घुमाएं। शैंक के आधार पर धागे को गांठ लगाएं और काटें। यदि पिन का उपयोग नहीं किया जाता है, तो यह ध्यान रखना चाहिए कि सिलाई करते समय बटन थ्रेड तनाव ढीला नहीं होना चाहिए।

नोट : एक ही विधि का उपयोग करते हुए 2 या 4 छेद बटन को सीवन किया जा सकता है। चार होल बटन में बटन के माध्यम से थ्रेडिंग का पैटर्न बदला जा सकता है।



चित्र 3.11 (ए, बी) : एक 2 छेद बटन की सिलाई



चित्र 3.12 : एक 4 छेद बटन की सिलाई

शैंक बटन की सिलाई



चित्र 3.13 (ए, बी) : शैंक बटन

- शैंक बटन मुख्य रूप से कोट जैसे भारी वजन वाले कपड़ों पर बंद होने की सिफारिश की जाती है। बटन का एक अतिरिक्त शैंक सिलना होता है, जब अधिकतर शैंक बटन को परिधान से जोड़ा जाता है; समतल बटन बनाने के लिए समान प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है।
- थ्रेड को सुरक्षित करें और बटन की स्थिति में सुई को सतह पर लाएं तथा इसे शैंक में छेद के माध्यम से लाएं। कपड़े के माध्यम से सुई को फिर से सतह पर वापस ले जाएं।
- दोहराएँ, शैंक और कपड़े के माध्यम से कई टांके बनाएं।
- गलत साइड पर काम करें और सुरक्षित करने के लिए थ्रेड्स के माध्यम से टांके की एक जोड़ी बनाएं।
- फिर, थ्रेड्स सुरक्षित होने के बाद सिलनना बंद करें।

बटनहोल सिलाई की तकनीक

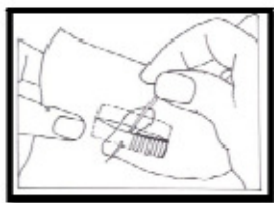
बटनहोल परिधान के ओवरलैप अनुभाग पर बने होते हैं। उन्हें कपड़े पर लंबवत या क्षैतिज रूप से रखा जा सकता है। बटनहोल कपड़ों में कटे हुए स्लिट्स होते हैं जो जगह में बटन पकड़ते हैं। बटन छेद की लंबाई और चौड़ाई बटन के आकार या शेष पर निर्भर करती है। बटन के छेद की लंबाई बटन की चौड़ाई के बराबर होनी चाहिए। बटन के छेद की लंबाई बटन की चौड़ाई के बराबर होनी चाहिए। अंत से शुरू करना जो एक वर्ग अंत होना है, बटनहोल सिलाई का काम करें। बटन छेद तय किए जाने से पहले ओवरलैप पर काम किया जाना चाहिए। बटन के छेद की लंबाई बटन का व्यास प्लस $1/8$ इंच होनी चाहिए। एक पेंसिल के साथ हल्के से बटनहोल को चिह्नित करें। सीधे धागे का उपयोग करते हुए बटनहोल लाइन को ध्यान से काटें। छोटी सी गांठ लगाकर बटनहोल टांके के साथ विपरीत तरफ धागे को चौकोर छोर से गोल छोर तक टांकना शुरू करें।

अंत में सुई को विपरीत साइड पर डालने के लिए और टांके के नीचे के माध्यम से सुई को चलाकर थ्रेड एंड को फास्ट करें। बटनहोल या तो एक हाथ की अटैचमेंट का उपयोग करते हुए हाथ से सिले या मशीन से सिले जा सकते हैं। बटनहोल को या तो हाथ से काम किया जा सकता है, मशीन से काम किया जा सकता है या बटनहोल को बाउंड किया जा सकता है। स्लिट्स के कच्चे किनारों को या तो काम किए हुए नोकदार सिलाई वाले बटनहोल सिलाई द्वारा संरक्षित किया जाता है, या किनारे को स्वयं या विपरीत सामग्री के साथ सिलकर बांध दिया जाता है।

सिलाई की प्रक्रिया

प्रत्येक बटनहोल की स्थिति और आकार को ओवरलैप पर थ्रेड से निपटने के साथ चिह्नित किया जाना चाहिए, जिससे निपटने के लिए थ्रेड होल्ड्स का उपयोग बटनहोल के सिरों को चिह्नित करने के लिए किया जाता है और प्रत्येक बटनहोल के सेंटर को चिह्नित करने हेतु एक आड़ी वाली रेखा होती है, जहां और खुलने में गिरावट होगी, इन चरणों का पालन करें :

1. खड़ी टैकिंग से निपटने के साथ बटनहोल के एक छोर को चिह्नित करें। टांकों की एक आड़ी रेखा के साथ केंद्र चिह्नित करें।
2. इस क्षैतिज रेखा के प्रत्येक तरफ और बटनहोल के दूसरे छोर पर 1/8 इंच के एक छोटे से सिलाई का उपयोग करें।
3. छोटी तेज कैंची के साथ सिलाई के बीच सावधानी से स्लैश करें।
4. अपने कपड़े / कपड़े हेतु एक मिलान धागे का उपयोग करते हुए कच्चे किनारों को ओवरकास्ट करें।

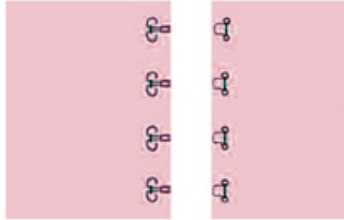


चित्र 3.14: बटन छेद की सिलाई

5. स्लैश के निचले किनारे पर बाएं से दाएं कार्य करें।
6. स्लैश में सुई डालें और नीचे टांके लगाने की लाइन पर इसे बाहर लाएं।
7. सुई के चारों ओर धागे को बाएं से दाएं तरफ लूप करें। आप सुई को कपड़े से दूर कर दें ताकि स्लैश किनारे पर बिल्कुल न बनें।
8. इस तकनीक का उपयोग करते हुए स्लैश की लंबाई के साथ सिलाई करें। एक मजबूत, सुरक्षित किनारे बनाने हेतु टांके को एक साथ बहुत करीब से लगाएं।
9. जब आप कोने में पहुंचते हैं तो टांके लगाते हैं कि कैसे इसे मजबूत करने के लिए दूसरे ओर बटनहोल पर साटन टांके की पट्टी बनाते हैं।

परिधान या शिल्प वस्तु के अनुरूप सिलाई की चौड़ाई और लंबाई में थोड़ा अंतर हो सकता है, लेकिन इसे एक साथ कसने और बंद करने की आवश्यकता होती है।

हुक और क्लैप्स सिलाई तकनीकें



चित्र 3.15: मेटल हुक और मेटल आइ

ये अतिरिक्त फास्टिंग के लिए उपयोगी हैं। जब अदृश्य बन्धन की आवश्यकता होती है, तो हुक का उपयोग आइ, लूप्स या आइलेट्स के साथ किया जाता है। वे आम तौर पर अधिक ताकत के लिए डबल सामग्री पर सिलाई कर रहे हैं। हुक झुके या सीधे हो सकते हैं। आइ कभी-कभी गोल, सीधी या घुमावदार पट्टियां होती हैं और सिले या थ्रेड द्वारा तैयार की गई आइ होती हैं। अलग-अलग कपड़ों पर अलग-अलग आकार के हुक और आइ का उपयोग किया जाता है—बड़े, चौड़े हुक और आइ सजावटी और बाहर की तरफ दिखाने के लिए सिले जा सकते हैं, जबकि छोटे फास्टनरों को अलग माना जाता है। एक हुक जो हाथ से तैयार की गई आइ में जाता है, इससे एक साफ, करीब फास्टनिंग तैयार होती है।

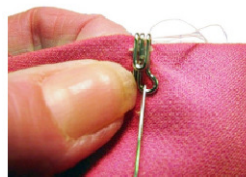
सिलाई की प्रक्रिया

पहले हुक की स्थिति को चिह्नित करें और हुक को पहले सिला जाना चाहिए, और उसके बाद आइ की स्थिति को सुनिश्चित किया जाना चाहिए, इससे पहले कि इसे चालू किया जाए। किनारे से ओवरलैप 1/8 इंच (3 मिमी) के नीचे पर हुक की स्थिति रखें। बटनहोल हुक पर दोनों छेदों को सिलाई करें और हुक की गर्दन को समतल रखने के लिए उसे ओवरकास्ट कर दें। फिर आइ खोलने की दूसरी तरफ रखें और जगह पर सिलाई करें।

हुक सिलाई की विधि

सभी हुक के लिए सिलाई की विधि समान है।

1. अंगुली और अंगूठे के बीच हुक को मजबूती से पकड़ें और छल्ले को गीला करें। इससे हुक की स्थिति को ठीक करने में मदद मिलती है।



चित्र 3.16 : हुक रिंग की सिलाई की विधि

2. टाँके दाहिनी ओर से नहीं गुजरना चाहिए।
3. सुई को आंख से ऊपर से गुजारें या दूसरी स्थिति में गुना के बीच रिंग करें तथा शैंक के ऊपर तीन या चार बार सिलाई करें यदि यह हम्प के नीचे एक कटा हुआ हुक है।
4. सुई को फोल्ड के बीच से गुजारें और इसे बाईं ओर लाएं और नाक के नीचे बंद करें तथा तीन या चार टाँके लगाकर काम करें।



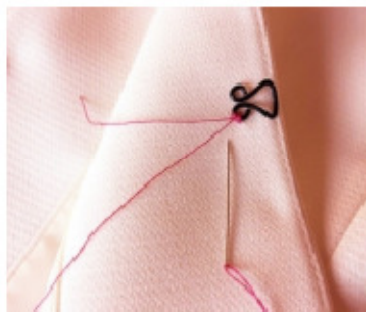
चित्र 3.17: हुक हम्प सिलाई की विधि

5. दूसरी स्थिति की ओर काम करें और रिंग बंद करें। इस प्रकार, ओवरकास्टिंग को करीब से ढंक दिया जाएगा।

आइज़ : धातु की आइज़ का उपयोग किया जा सकता है या धागे की आइज़ तैयार की जा सकती है।

मेटल आइज़ की विधि

1. आइज़ को ज्यादातर प्लेट के नीचे के आधे हिस्से के बाईं ओर सिल दिया जाता है।
2. यदि आवश्यक हो तो धातु की आइज़ का लूप या बटनहोल सिलाई के साथ कवर किया जा सकता है।



चित्र 3.18 : मेटल आइज़ सिलाई की विधि

3. यदि यह आइ पर सिलाई के बाद किया जाता है, तो ध्यान रखना चाहिए कि कपड़े के माध्यम से टांके को पास न करें। शुरुआत और बन्धन सबसे सुरक्षित हो।

सिले या थ्रेड आइ की विधि

ये आइ धातु की आइ की तरह मजबूत नहीं हैं क्योंकि वे हुक के निरंतर घर्षण (friction) के माध्यम से घिस जाते हैं। वे सस्ते होते हैं तथा कपड़े के रंग से मेल (match the colour) खाने के लिए बनाए जा सकते हैं तथा इसलिए कम दिखाई देते हैं। सिले हुए आइ पतली सामग्री के लिए उपयुक्त होती हैं क्योंकि वे लचीली होती हैं और सामग्री को उतना नहीं खींचती हैं जितना धातु की आइ करती हैं। आइ की लंबाई हुक के आकार पर निर्भर करेगी। वे आम तौर पर 1/8 इंच से अधिक लंबे नहीं होते हैं।

1. आइ की स्थिति को चिह्नित करें।
2. सिंगल थ्रेड के साथ साफ तरीके से थ्रेड करें और दाईं ओर से गलत साइड से आइ के बाएं हिस्से में लाएं। सुई 1/8 डालें जहां से सुई दाहिनी ओर से सामग्री के माध्यम से बाहर आती है और पहली स्थिति में इसे फिर से बाहर लाएं।



चित्र 3.19 चरण-1 : सिलाई थ्रेड आइ की विधि

3. तीन, चार या पांच किस्में एक साथ काम की जानी चाहिए।
4. आइ के बाईं ओर किस्में के करीब सामग्री का एक छोटा सा हिस्सा उठाएं।
5. धागे के लूप के माध्यम से सुई खींचें। वर्क लूप की सिलाई एक आइ के दूसरे छोर तक धागे के करीब साथ लाएं।



चित्र 3.20 चरण-2 : सिलाई थ्रेड आइ

6. सुई को स्ट्रैंड के करीब से कपड़े में डालें और उसी तरह से सिलाई का काम करें जैसे कि पहले लूप स्टिच सुई को गलत साइड से होते हुए आखिरी स्टिच के करीब से गुजरता है और डबल बैक स्टिच का काम करता है।
7. स्ट्रैंड में एक जैसा तनाव होना चाहिए और बहुत ढीला भी नहीं होना चाहिए। लूप सिलाई को मजबूती और बारीकी से काम करना चाहिए।

प्रेस स्टड सिलाई तकनीक

प्रेस स्टड या बटन विभिन्न आकारों में उपलब्ध हैं, इस फास्टर में दो भाग होते हैं सॉकेट और बॉल दोनों भागों में चार छोटे छेद होते हैं। सिलाई के लिए पहले बटन की स्थिति को चिह्नित करें तथा बटनहोल सिलाई का उपयोग करते हुए सभी चार छेदों को समाप्त करें। प्रेस स्टड को बड़ी सफाई से और मजबूती से सिलना चाहिए। इनका उपयोग करना सबसे अच्छा है जहां खोलने में बहुत अधिक तनाव नहीं है। स्टड की बॉल आम तौर पर अंडर-लैप के दाईं ओर और ओवरलैप के गलत साइड पर सॉकेट में होती है। ध्यान रखें कि सॉकेट और बॉल वाले हिस्से के सिलाई वाले क्षेत्र एक-दूसरे को कवर नहीं कर रहे हैं, अन्यथा प्रेस स्टड आसानी से खुल जाएंगे।

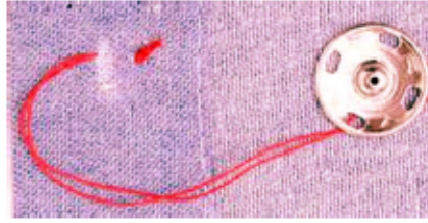


चित्र 3.21 : प्रेस स्टड

सिलाई की प्रक्रिया

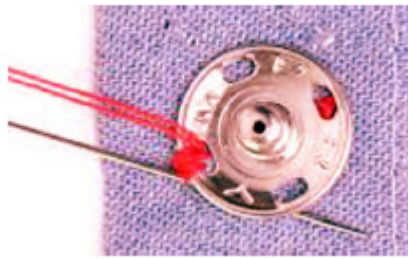
प्रेस स्टड को सिलने के लिए, सावधानी से चिह्नित करें ताकि प्रेस स्टड के सॉकेट और बॉल एक दूसरे से सीधे विपरीत हों जब जॉइनिंग सही ढंग से लैप हो।

1. खुलने की लैप से मिलान करने के लिए देखभाल करने वाले स्टड के लिए स्थिति को चिह्नित करें।
2. प्रेस स्टड के सॉकेट साइड को परिधान के नीचे-लैप पर, बॉल के हिस्से को ओवरलैप पर रखें। सॉकेट पर सिलाई करने के लिए, दोनों स्टड के सेंटर के माध्यम से सुई लगाकर प्रेस स्टड के दूसरे भाग को अलाइन करें।



चित्र 3.22 (ए) : चरण -1

3. प्रत्येक छेद के माध्यम से कई बार सिलाई प्रेस स्टड के नीचे से जाती है क्योंकि हम छेद से छेद तक सिलाई करते हैं।



चित्र 3.22 (बी) : चरण-2

4. परिधान के दाहिनी ओर टांके नहीं आने चाहिए।



चित्र 3.22 (सी) : चरण-3 : प्रेस स्टड की सिलाई

5. प्रेस स्टड सिलने पर धागे को सुरक्षित रूप से फास्टन करें।



चित्र 3.23 : फिनिशड प्रेस स्टड

जिपर सिलाई तकनीकें

जिपर सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले फास्टनरों हैं। विभिन्न प्रकार के परिधान और कपड़ों पर उपयोग के लिए अलग-अलग वजन में जिप बनाए जाते हैं। एक मानक जिप प्रकार है जो आमतौर पर स्कर्ट, कपड़े और पजामा पर उपयोग किया जाता है। अदृश्य जिप का उपयोग कभी-कभी अनुरूप स्कर्ट और कपड़े पर किया जाता है। भारी रूप से एक प्राकृतिक रूप से सबसे मजबूत जिप, उनके पास धातु या नायलॉन दोनों दांत (teeth) हो सकते हैं और जिप टेप कपास, नायलॉन या एक कपास / पॉलिएस्टर मिश्रण का हो सकता है। उन्हें विभिन्न तकनीकों द्वारा कपड़े, ताकत और सीवन के आधार पर लगाया जा सकता है जहां वे एक परिधान में एप्लाइ किए जाते हैं।

सिलाई की प्रक्रिया

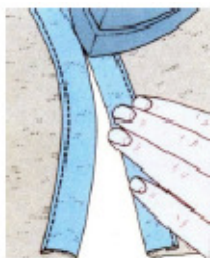
द कपड़ा धोना हो तो जिप को पहले से प्री श्रिंक लें। इससे पकरिंग की रोकथाम होगी। हमेशा अपने जिप को फ्लैट, दबाए गए सीम में डालें। लंबाई को खोलने की लंबाई से मेल खाना चाहिए। कुछ बिंदु हैं जिन्हें जिप सम्मिलित करते समय विचार किया जाना चाहिए। मशीन द्वारा जिप को सिलाई करें यदि आपकी मशीन में एक जिपर पैर है, अन्यथा हाथ से जिप को सिलें। ऐसा करने के लिए पिक स्टिक का उपयोग करता है और टाँके मजबूत और अदृश्य दोनों होंगे। यह जिप लगाने से पहले खोलने के मोड़ को साफ करने के लिए एक बुद्धिमानी की एहतियात है क्योंकि धागे बहुत आसानी से जिप में पकड़ सकते हैं और उन्हें स्टिक कर सकते हैं। इन बिंदुओं का पालन करें :

1. जिप के निचले छोर को एलाइन करें ताकि यह हेम में टक जाए।
2. हमेशा जिप के नीचे से ऊपर की तरफ पिन करने की कोशिश करें।



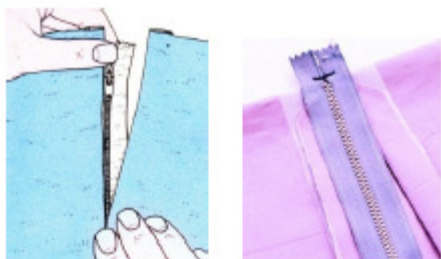
चित्र 3.24 (ए) : चरण-1

3. जिप खोलने के प्रत्येक पक्ष को लें और फिर जिप में डालने से पहले सीम को दबाएं। फेसिंग को फोल्ड करें और हेम को टेप पर मोड़ें।



चित्र 3.24 (बी) : चरण-2

4. सीम के बाकी हिस्सों को सिलाई करने के लिए, पहले ज़िप बंद करें।



चित्र 3.24 (सी और डी) : चरण-3

5. कपड़े के लिए सीम को उचित तरीके से बंद करें।



चित्र 3.25 : चरण-4 फिनिशड ज़िपर

प्रायोगिक अभ्यास

गतिविधि 1 : छेद (2 और 4 छेद) और टांगों के साथ विभिन्न प्रकार के बटन एकत्र करें और नमूना फाइल के लिए निम्नलिखित के नमूने तैयार करें।

1. एक 2-छेद वाला बटन सिलना
2. एक 4-छेद वाला बटन सिलना
3. एक शैंकड बटन सिलना

आवश्यक सामग्रियां :

- बटन—2—होल बटन, 4—होल बटन और शैंकड बटन
- हाथ की सुई
- धागा
- शुद्ध सूती कपड़े के नमूने (7 इंच × 7 इंच)
- प्रैक्टिकल फाइल
- ग्ल्यू
- कैंची

चरण दर चरण प्रक्रिया :

- विभिन्न प्रकार, शेप, आकार और बटन की विविधता लीजिए।
- किसी भी 2—होल बटन का एक नमूना तैयार करें।
- किसी भी 4—होल बटन का एक नमूना तैयार करें।
- किसी भी शैंक बटन का एक नमूना तैयार करें।
- इसे प्रैक्टिकल फाइल में रखें।

गतिविधि 2 : विभिन्न प्रकार के हुक इकट्ठा करें और स्टड दबाएं और नमूना फाइल के लिए निम्नलिखित के नमूने तैयार करें :

1. बटन छेद
2. हुक और आइ अटैच करना
3. हाथ से तैयार आइ
4. पैंट हुक और आइ
5. प्रेस स्टड

आवश्यक सामग्रियां :

- विभिन्न प्रकार के हुक और आइ और प्रेस स्टड
- हाथ की सुई
- धागा
- शुद्ध सूती कपड़े (Pure cotton fabric)
- प्रैक्टिकल फाइल
- ग्ल्यू
- कैंची

चरण दर चरण प्रक्रिया :

- विभिन्न प्रकार के हुक, प्रेस स्टड और बटनहोल लीजिए।
- बटनहोल का एक नमूना तैयार करें।
- हुक और आइ तथा एक हाथ से बना आइ नमूना तैयार करें।
- पैट हुक और आइ और प्रेस स्टड का एक नमूना तैयार करें।

अपनी प्रगति जांचें

कॉलम मिलान करें

- | | |
|-------------------|---------|
| 1. छेद के साथ बटन | क. आइ |
| 2. हुक | ख. लूप |
| 3. शैक बटन | ग. 2, 4 |

प्रश्न :

1. ज़िप लगाने की विधि लिखिए।
2. बटन होल के प्रकार लिखें, डायग्राम के साथ सिलाई तकनीक की व्याख्या करें।
3. डायग्राम के साथ प्रेस स्टड और प्रेस स्टड की सिलाई तकनीक की व्याख्या करें।
4. बटन, इसके प्रकारों का वर्णन करें और डायग्राम के साथ सिलाई तकनीक की व्याख्या करें।
5. हुक और क्लैप्स को समझाएं, डायग्राम के साथ सिलाई तकनीक लिखें।